

## बीपीएससी अध्ययन नोट्स: बिहार का भूगोल

बिहार समशीतोष्ण क्षेत्र के एक उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में पूरी तरह से भूमि से घिरा राज्य है। बिहार पूर्व में आर्द्र पश्चिम बंगाल और पश्चिम में उप आर्द्र उत्तर प्रदेश के बीच स्थित है, जो इसे जलवायु, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के संबंध में एक संक्रमणकालीन स्थिति प्रदान करता है। यह उत्तर में नेपाल और दक्षिण में झारखंड से घिरा है। गंगा नदी द्वारा बिहार के मैदान को दो असमान हिस्सों (उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार) में विभाजित किया गया है, जो पश्चिम से पूर्व की ओर मध्य से होकर बहती है। बिहार की भूमि की समुद्र तल से औसत ऊंचाई 173 फीट है।

- अनुदैर्घ्य विस्तार -  $83^{\circ}19'50''$  पूर्व से  $88^{\circ}7'40''$  पूर्व
- अक्षांशीय विस्तार -  $24^{\circ}20'10''$  उत्तर से  $27^{\circ}31'15''$  उत्तर
- पूर्व से पश्चिम तक दूरी - 483 किलोमीटर
- उत्तर से दक्षिण तक दूरी - 345 किलोमीटर
- बिहार की उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम चंपारण राज्यों के साथ सीमाएं हैं। इसकी उत्तर में नेपाल के साथ भी सीमा है।
- नेपाल सीमा की लंबाई - 601 किलोमीटर
- पश्चिम से पूर्व दिशा में 7 जिले अर्थात् पश्चिम चंपारण, पूर्व चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज की सीमाएं नेपाल से लगी हुई हैं।
- उत्तर से दक्षिण दिशा में 7 जिले अर्थात् पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सरण, भोजपुर, बक्सर और कैमूर हैं जिनकी सीमाएं उत्तर प्रदेश की सीमा से लगी हुई हैं।
- पश्चिम से पूर्व दिशा में 8 जिले अर्थात् रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जामुई, बांका, भागलपुर और कटिहार हैं जिनकी सीमाएं झारखंड सीमा से लगी हुई हैं।
- उत्तर से दक्षिण दिशा में 3 जिले अर्थात् किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार हैं जिनकी सीमाएं पश्चिम बंगाल की सीमा से लगी हुई हैं।
- गंगा, घाघरा और गंडक कुछ हिस्सों में उत्तर प्रदेश के साथ सीमा बनाते हैं।
- सोन नदी रोहतास जिले में झारखण्ड के साथ सीमा बनाती है।



### बिहार की भू-वैज्ञानिक संरचना

- उत्तर में नवीन चट्टानें, दक्षिण में पुरानी चट्टानें
- उत्तर-पश्चिम क्षेत्र तराई, मध्य क्षेत्र गंगा के मैदान और दक्षिणी भाग पठारी क्षेत्र हैं
- बिहार के मैदान का गठन सबसे छोटा है
- **धारवार चट्टानें** - दक्षिण-पूर्व बिहार - जामुई, नवादा, मुंगेर जिले
- **विंध्यान चट्टानें** - दक्षिण-पश्चिमी बिहार - काइमूर, रोहतास जिले
- **पठार क्षेत्र**- कैमूर जिले से बांका जिले तक एक संकीर्ण पट्टी के रूप में फैला हुआ है

### बिहार का मौसम

बिहार पूरी तरह से समशीतोष्ण क्षेत्र के उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है, और इसका जलवायु प्रकार आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय है। गर्म गर्मी और ठंडे सर्दियों के साथ इसका तापमान सामान्य रूप से उपोष्णकटिबंधीय है। बिहार का औसत दैनिक उच्च तापमान केवल 26 डिग्री सेल्सियस है और वार्षिक औसत 26 डिग्री सेल्सियस है। जलवायु बहुत गर्म है, लेकिन केवल कुछ ही उष्णकटिबंधीय और आर्द्र महीने हैं। वर्ष के कई महीनों में तापमान लगातार 25°C से ऊपर, कभी-कभी 29°C तक गर्म से गर्म रहता है। कम बारिश के

कारण यात्रा करने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से अप्रैल तक है। सबसे अधिक बारिश के दिन मई से सितंबर तक होते हैं।

- महाद्वीपीय मानसून प्रकार की जलवायु
- दक्षिणी भाग की तुलना में उत्तरी भाग अधिक ठण्डा है
- पूर्वी भाग में 200 से.मी तक बारिश होती है जबकि पश्चिमी भू-भाग में 100 से.मी तक बारिश होती है।
- अप्रैल माह में आर्द्रता सबसे कम है
- हल्की नॉरवेस्टर वर्षा के प्रभाव के कारण पूर्वी भाग का तापमान कम हो जाता है
- **नॉरवेस्टर** - उष्णकटिबंधीय चक्रवात आंधी, प्रारंभिक खरीफ की फसलों के लिए अत्यंत सहायक है
- 'गया' मई में सबसे गर्म है, जबकि जनवरी में सबसे ठंडा रहता है

### बिहार की मिट्टी

- **पिडमोंट दलदली मिट्टी** - पश्चिमी-चंपारण, चावल के लिए उपयोगी, कार्बनिक पदार्थों से समृद्ध
- **तराई मिट्टी** - नेपाल, चंपारण से किशनगंज की सीमा के उत्तरी बेल्ट में पाई जाती है, गन्ना, जूट के लिए उत्तम
- **भांगर** - पुरानी जलोढ़ मिट्टी-चिकनी, चिपचिपी, चूने से समृद्ध, धान और गन्ने के लिए अच्छी, पटना और गया
- **खादर** - नवीन जलीय मिट्टी - नाइट्रोजन से समृद्ध, धान और गेहूं के लिए अच्छी, पूर्णिया, सहरसा, दरभंगा
- **कराइल-केवाल मिट्टी** - भारी मिट्टी, क्षारीय, रोहतास से भागलपुर तक, भूरे से पीले रंग की
- **ताल मिट्टी** - गंदे जल निकाय, ग्रे, उच्च उपज, बक्सर से बांका तक
- **बाल्थर मिट्टी**- लौह तत्व की उपस्थिति, लाल और पीले रंग की, कम उपजाऊ, छोटानागपुर पठार और गंगा मैदान, कैमूर से राजमहल पहाड़ियों के बीच संक्रमणकालीन क्षेत्र में
- **बाल सुंदरी**- क्षारीय, सहरसा और चंपारण, मक्का और तंबाकू के लिए अच्छी है

### प्रमुख नदियां

#### गंगा

- **चौसा** में प्रवेश के बाद भोजपुर और सरन की सीमा तक
- उत्तरी सहायक - सीवान में **घाघरा**, सोनपुर में **गंडक**, मुंगेर में **बागमती**, कुर्सेला में **कोसी**, मनीहारी में **काली-कोसी**
- दक्षिणी सहायक नदियां - मानेर में सोन, चौसा में कर्मनासा, फतुआ में पुनपुन
- इसमें बिहार का सबसे बड़ा जलग्रहण क्षेत्र है।

- **महात्मा गांधी सेतु** - दक्षिण में पटना से लेकर उत्तर में हाजीपुर को जोड़ता है।

### घाघरा/सरयू

- नेपाल के **नंपा** में उत्पत्ति
- बिहार में **गोपालगंज** से प्रवेश
- **छपरा** में गंगा में शामिल होती है

### गंडक

- **तिब्बत** से उत्पत्ति
- नेपाल से **त्रिवेणी** के पास भारत में प्रवेश,
- बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा
- **पश्चिमी चंपारण** से बिहार में प्रवेश
- **सोनपुर** में गंगा में शामिल
- **त्रिवेणी नहर** को इस नदी से पानी मिलता है

### बुरही गंडक

- **पश्चिमी चंपारण** के चौतारवाचौर में **सोमेश्वर पहाड़ियों** पर उत्पत्ति
- गंडक नदी के समानांतर बहती है
- **खगरिया** में गंगा में शामिल होती है

### कोसी

- मार्ग परिवर्तन के कारण वास्तव में, **बिहार के शोक** के रूप में जानी जाती है
- यह नेपाल के सात चैनलों से बनी है जिसे सप्तकोसी कहा जाता है
- **सुपौल** के रास्ते बिहार में प्रवेश करती है
- **कटिहार के कुर्सेला** में गंगा में शामिल

### बागमती

- नेपाल में **शिवपुरी की पहाड़ी** में उत्पत्ति
- **सीतामढ़ी** के रास्ते बिहार में प्रवेश करती है
- **बदलाघाट** में कोसी में शामिल

### कमला

- सिंधुलीगढ़ी के पास नेपाल में महाभारत रेंज में उत्पत्ति
- मधुबनी के रास्ते बिहार में प्रवेश
- कमला बैराज का निर्माण किया गया है
- बदलाघाट में बागमती नदी में शामिल

### महानंदा

- सिक्किम में उत्पत्ति
- किशनगंज के रास्ते बिहार में प्रवेश करती है
- बांग्लादेश के नवाबगंज में गंगा में शामिल होती है
- ऊपरी मार्ग में हिंदी और बंगाली बोलने वाले क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण भाषाई सीमा निर्मित करती है।

### सोन

- मध्य प्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों में उत्पत्ति
- मानेर के पास गंगा में शामिल हो जाती है
- महत्वपूर्ण सहायक नदियां रिहंद और उत्तरी कोयल हैं

### पुनपुन

- हजारीबाग पठार में उत्पत्ति
- फतुहा के निकट गंगा में शामिल
- पटना शहर के पूर्व में बाढ़ से होने वाले भारी नुकसान का कारण बनती हैं

### फाल्गू

- इसे निरंजना भी कहा जाता है
- यह एक पवित्र नदी मानी जाती है और गया के बाद से बहती है

### बिहार में झरने

- काकोलट झरना - झारखंड सीमा के निकट नवादा में, 160 फीट का झरना
- करकट झरना - काइमूर वन्यजीव अभ्यारण्य के निकट काइमूर की पहाड़ियों में
- मंजूरकुंड और धुआकुंड - सासाराम में, ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोगी

### गर्म झरने (स्प्रिंग्स)

- अधिकांश गर्म झरने राजगीर और मुंगेर में स्थित हैं।
- **राजगीर** - सप्तधारा, सूर्य कुंड, मखदूम कुंड, ब्रह्म कुंड
- **मुंगेर** - लक्ष्मण कुंड, रामेश्वर कुंड, गौमुख कुंड, सीताकुंड, ऋषि कुंड

### वनस्पति और जीव

- कुल वन क्षेत्र - 7288 वर्ग कि.मी, कुल क्षेत्रफल का 74% (भारतीय वन क्षेत्र का 1.04%)
- अधिकतम वन क्षेत्र- काइमूर जिला
- न्यूनतम वन क्षेत्र - शेखपुरा
- अधिक घने वनों का अधिकतम भाग पश्चिमी चंपारण में है
- किशनगंज, पश्चिमी चंपारण, काइमूर, गया आदि में नर्म पर्णपाती वन पाए जाते हैं।
- सूखे पर्णपाती - बिहार, काइमूर, पूर्णिया, रक्सौल आदि में सबसे प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।
- **वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान** - पश्चिमी चंपारण में स्थित है, **2 अगस्त, 1989** में स्थापित किया गया।
- **वाल्मीकि टाइगर रिजर्व** में वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान और वाल्मिकी वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।
- **भीमबंध वन्यजीव अभयारण्य** - मुंगेर, गंगा के दक्षिण में, सीता कुंड और ऋषि कुंड जैसे कई गर्म झरने हैं, भूमि पर पाए जाने वाले जानवरों की तुलना में पक्षियों के लिए अधिक प्रसिद्ध है इसे **25 जून, 1976** में स्थापित किया गया।
- **कैमूर वन्यजीव अभयारण्य** - कैमूर में बंगाली बाघ भी यहां पाए जाते हैं, करकट और तेलहार झरने जैसे कई झरने, प्रसिद्ध झील **अनुपम झील** यहीं हैं, **25 जुलाई, 1979** में स्थापित किया गया।
- **गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य** - गया और हजारीबाग (झारखंड) में स्थित है, पहले यह निजी शिकार रिजर्व था, इसे **14 सितंबर, 1971** में स्थापित किया गया है
- **विक्रमशिला गंगा डॉल्फिन अभयारण्य** - भागलपुर, सुल्तानगंज से कहलगांव तक फैला हुआ है, गंगा डॉल्फिन के लिए एकमात्र संरक्षित क्षेत्र, **28 अगस्त, 1990** में स्थापित किया गया
- **संजय गांधी जैविक उद्यान- पटना** में स्थित, जैविक पार्क जिसमें चिड़ियाघर के साथ एक वनस्पति उद्यान संयोजित है, **8 मार्च, 1983** में स्थापित किया गया है

### विविध

- कुल क्षेत्रफल - **94,163 वर्ग किलोमीटर** (भारत में 12वां)
- जनसंख्या - **10,38,04,630** (भारत में तीसरा)
- दशकीय विकास दर - 25.4%
- जनसंख्या घनत्व - 1106
- लिंग अनुपात - 918
- बाल लिंग अनुपात - 934

- साक्षरता दर - 69.83%
- अधिकांश आबादी वाला शहर - पटना
- कम आबादी - शेखपुरा
- सबसे घना - शिओहर (1882)
- कम घना - कैमूर (488)
- सबसे बड़ा जिला (क्षेत्रफल की दृष्टि से)- वेस्ट चंपारन
- सबसे छोटा जिला (क्षेत्रफल की दृष्टि से)- शिओहर

byjusexamprep.com